an>

Title: Need to set up a 'Center of Excellence for Cotton' in Gujarat.

श्री नारणभाई काछड़िया (अमरेली) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान देश में कपास के उत्पादन को बढ़ाए जाने हेतु आवश्यक रिसर्च और अनुसंधान कार्य की ओर दिलाना चाहता हूं।

महोदया, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहूंगा कि वर्तमान में भारत में केवल दो संस्थान सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट फोर कॉटन रिसर्च, नागपुर में और और ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटिड कॉटन इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट, कोयम्बटूर में किसानों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाने के साथ गुजरात में नवसारी कृषि विश्वविद्यालय एवं जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से कपास के संबंध में मूलभूत तकनीकी आधारित अनुसंधान करवा रहे हैं।

महोदया, इस बात को दÂिÂष्टगत रखते हुए कि गुजरात पूरे भारत में कुल कपास उत्पादन के 30 फीसदी का योगदान देता है, उपरोक्त दो संस्थान कपास की पैदावार बढ़ाने के लिए अपर्याप्त हैं। गुजरात सरकार ने राज्य में सेंटर ऑफ एक्सेलेन्स फोर कोटन बनाए जाने हेतु वÂाऩ 2001 में केन्द्रीय सरकार को विधिपूर्वक प्रस्ताव भेजा था, परन्तु इस दिशा में अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। जिसके चलते देश में कपास के उत्पादन को बढ़ाए जाने हेतु आवश्यक अनुसंधान कार्य उस प्रकार या उतनी संख्या में नहीं हो पा रहा है, जितना कि आवश्यक है। यदि गुजरात राज्य में सेंटर ऑफ एक्सेलेन्स फोर कॉटन की स्थापना की जाती है तो मुझे पूरा विश्वास है कि गुजरात पूरे देश में कुल कपास के उत्पादन में अपने योगदान को और अधिक बढ़ा सकेगा।

अतः मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि जनहित में कपास के उत्पादन को बढ़ाए जाने हेतु गुजरात राज्य में यथाशीघ्र सेंटर ऑफ एक्सेलेंस फोर कॉटन बनाए जाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री शरद त्रिपाठी और डॉ. किरीट पी. सोलंकी को श्री नारणभाई काछड़िया द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Shrimati Santosh Ahlawat – not present.